GOVERNMENT OF TAMIL NADU

हिंदी पाठमाला

Hindi Reader

तीसरी कक्षा

Standard Three

सत्र - II

Term - II

Department of School Education

Untouchability is inhuman and a crime

Government of Tamil Nadu

First Edition – 2026

(Published under New Syllabus
in Trimester Pattern)

Price : Rs.

A call can change your life (24 × 7 toll free helplines for children below 18 years)

If you are forced into
Child Marriage or Child Labour,
If you are Emotionally,
Physically, Sexually
Harassed or Abused,



If you feel unsafe dial CHILDLINE 1098 Night & Day

Caller details will be kept confidential

If you are feeling Threatened or
being Abused or Harassed –
Emotionally, Physically or Sexually,
If you are feeling unsafe,
If you need guidance for
Examinations or Higher Education



Dial 14417

Caller details will be kept confidential

Content Creation

State Council of Educational
Research and Training
© SCERT 2026

Printing & Publishing

Tamil Nadu Textbook and Educational
Services Corporation

Foreword

The early years of childhood are a time of wonder-when curiosity is boundless, imagination is vivid, and every experience becomes a step in the journey of learning. These textbooks for Classes 1 to 3 have been developed to honour this spirit, creating a learning experience that is joyful, meaningful, and engaging.

Developed as part of the **Tamil Nadu State Education Policy-2025**, these books mark a significant step towards strengthening foundational education in the State. The vision and direction provided by the **Hon'ble Minister for School Education** have ensured that the policy's emphasis on child-centred, competency-based, and inclusive learning is meaningfully reflected in these materials.

The leadership of the **Additional Chief Secretary,** School Education has been instrumental in ensuring the integration of 21st-century skills and knowledge, and in shaping the textbooks into engaging story-driven learning experiences.

This is further reflected in a competency-based approach to curriculum and assessment that moves beyond rote learning to foster deep conceptual understanding and meaningful application. The integration of value education to build character, along with life skills, art and motor skill development, enables the holistic development of the child.

The members of the High-Level Curriculum Expert Committee, the Chairperson and the members of the Curriculum Development Committee, have provided constant guidance, shaping and refining these materials through their insights and expertise, alongside the contributions of educators and practitioners acknowledged elsewhere in this book.

At this foundational stage, learning must build strong foundations while supporting the overall development of the child. These textbooks bring together a carefully designed set of features that make learning active, engaging, and meaningful:

- Opportunities for speaking and listening, building confidence in expression
- Activities that strengthen logical thinking and conceptual understanding
- Integrated spaces for reading and writing practice within lessons
- Fine and gross motor skill development through drawing, colouring, tracing, and movement-based tasks
- Simple avenues for independent learning and self-reflection

The books also integrate values and life skills, helping children develop empathy, cooperation, responsibility and confidence.

Learning is guided by a competency-based approach that moves beyond memorisation towards understanding and application. Assessment is embedded within the learning process, making it continuous, meaningful and supportive.

These textbooks are learning companions that invite children to explore, think and express. They represent a shared commitment to enabling every child to learn with joy, grow with confidence, and build a strong foundation for the future-advancing a vision of **"Education reimagined, inclusive, equitable, and future-ready".**

DIRECTOR

State Council of Educational
Research and Training (SCERT)
Tamil Nadu

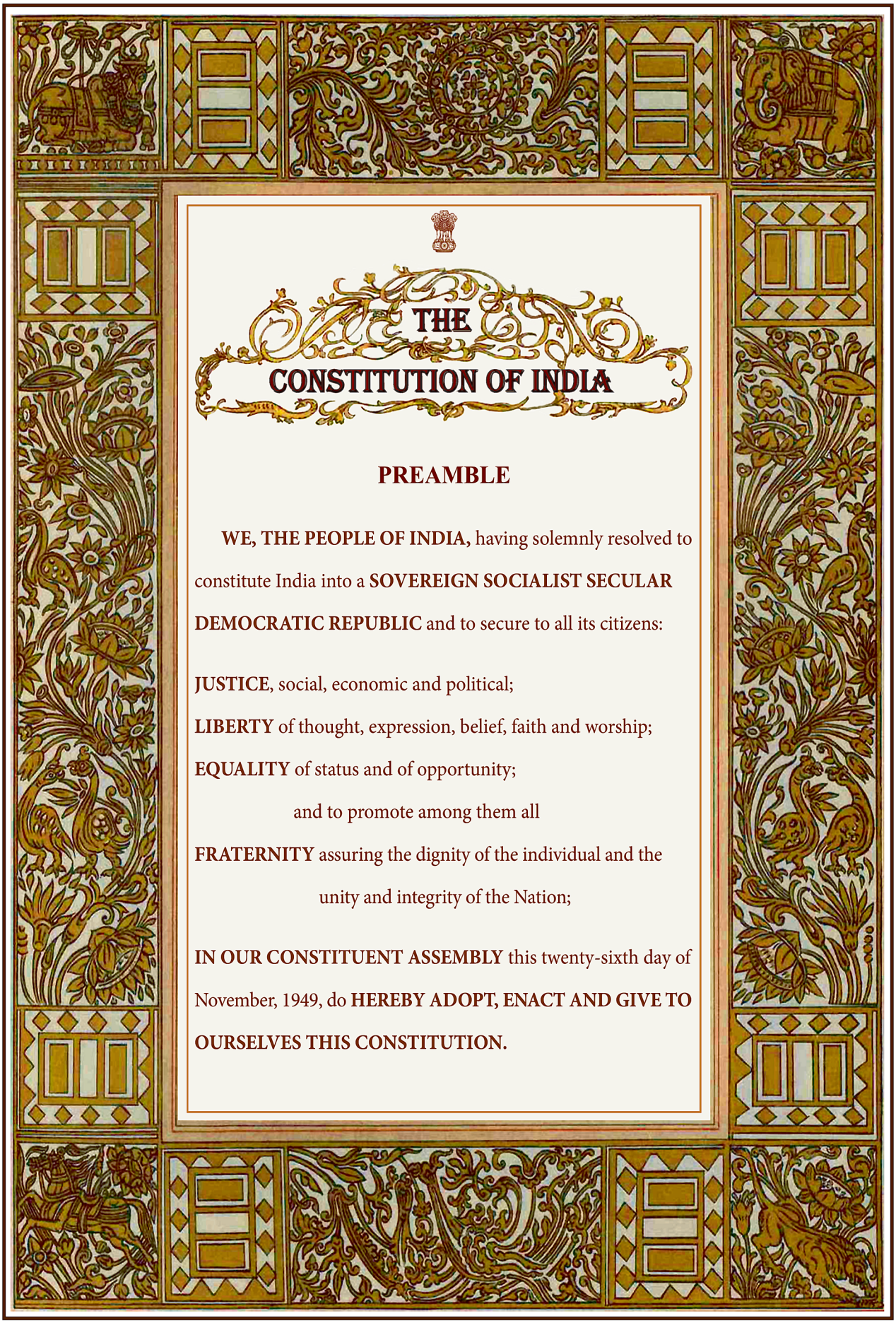

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a **SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC** and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity;

and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

भूमिका

प्रिय विद्यार्थियों,

यह हिंदी पुस्तक कक्षा 3 के विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। इस पुस्तक में रोचक कहानियाँ, प्रेरक प्रसंग, सुंदर कविताएँ, ज्ञानवर्धक पाठ और विविध गतिविधियाँ सम्मिलित हैं। इसका उद्देश्य बच्चों की भाषा-शैली को समृद्ध करना, शब्द-भंडार बढ़ाना तथा पढ़ने, लिखने, बोलने और समझने की क्षमता का विकास करना है। प्रत्येक पाठ को सरल, स्पष्ट और आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया है ताकि विद्यार्थी आनंदपूर्वक सीख सकें। अभ्यास प्रश्नों और गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सोचने, समझने और अपनी बात आत्मविश्वास से व्यक्त करने की क्षमता विकसित होगी। हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और जिज्ञासा को बढ़ाएगी।आइए, ज्ञान के इस सुंदर सफर की शुरुआत उत्साह के साथ करें।

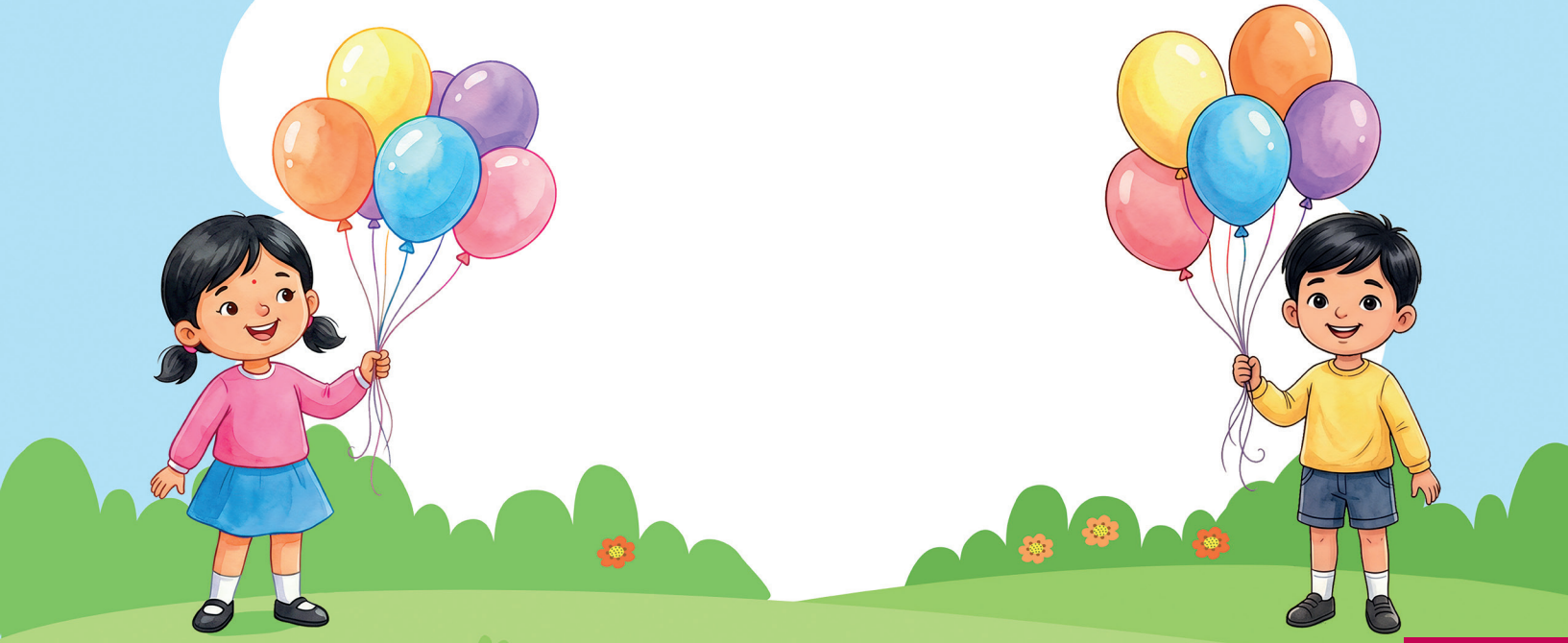

देशीयगीतम्

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा
द्राविड़, उत्कल, बंग
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे
तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय गाथा
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय जय हे!

महाकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर

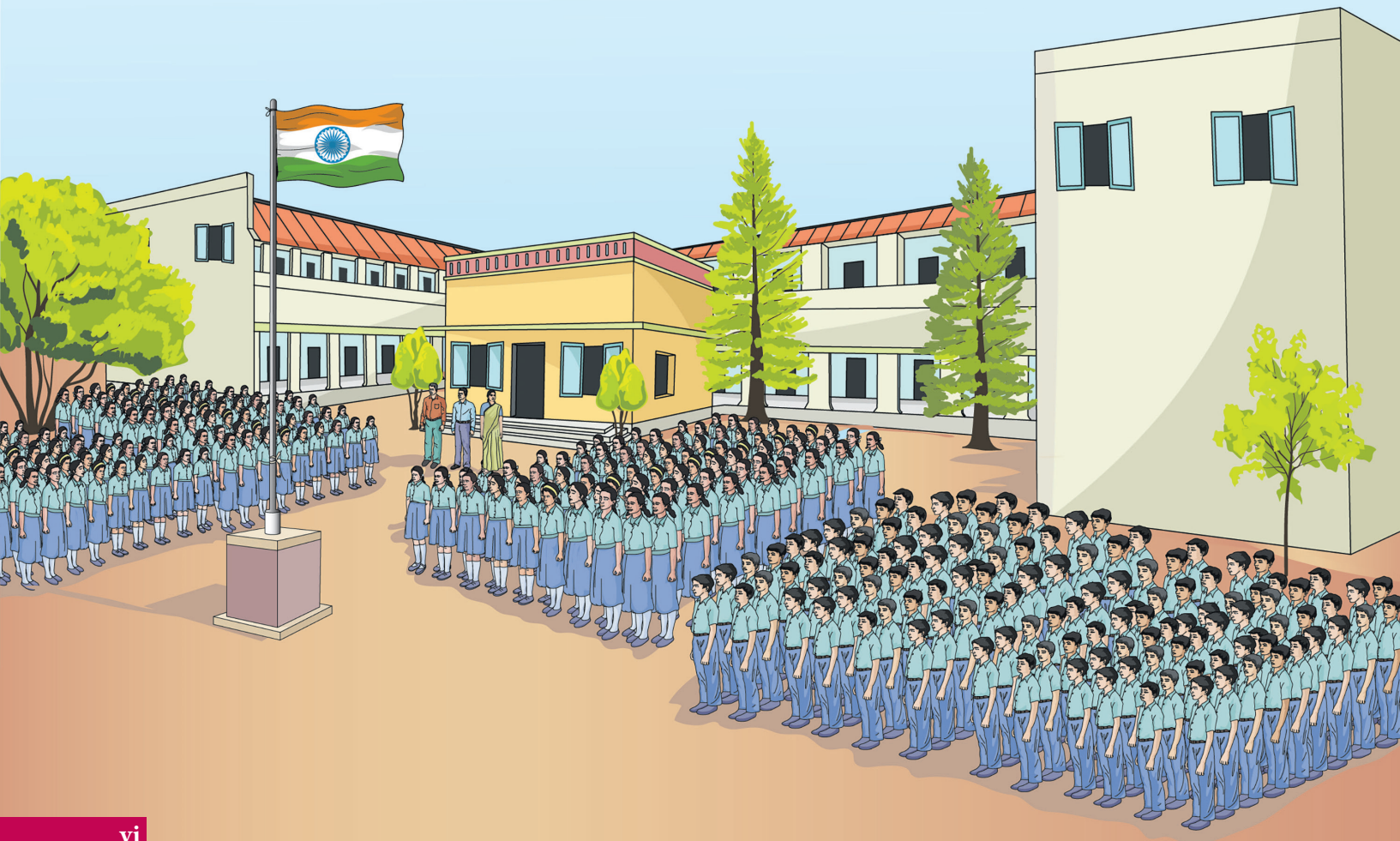

तमिल माता की वंदना
(तमिलताय वाळ्तु)

नीरारूम कडलुडुत्त निलमडन्दै केळिलोळुगुम
सीरारूम वदनमेन तिगळ भरत खंडमिदिल,
तेक्कणमुम अदिर्चिरन्द द्रविड़नल् तिरूनाडुम
तक्कचिरू पिरैनुदलुम तरितनरून् तिलकमुमे
अत्तिलक वासनैपोल अनैत्तुलगुम इन्बमुर
एत्तिशैयुम पुगळ मणक्क इरून्द पेरूंतमिलअणंगे !
तमिलअणंगे !
उन सीर इलमै तिरम वियन्दु
सेयल मरन्दु वाळ्तुदुमे !
वाळ्तुदुमे !
वाळ्तुदुमे !

'मनोनमणीयम' पे. सुंदरनार।

राष्ट्रीय प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है।
सब भारतवासी मेरे भाई-बहन है।
मैं अपने देश से प्रेम करता/करती हूँ।
इसकी समृद्ध एवं विविध संस्कृति पर मुझे गर्व है।
मैं सदा इसका सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न करता/करती रहूँगा /रहूँगी।
मैं अपने माता-पिता, शिक्षको एवं गुरुजनो का सम्मान करूँगा /करूँगी और प्रत्येक के साथ विनीत रहूँगा/रहूँगी।
मैं अपने देश और देशवासियों के प्रति सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करता/करती हूँ।
इनके कल्याण एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।


हिंदी पाठमाला
Hindi Reader
तीसरी कक्षा
Standard Three
सत्र-II
Term-II

विषय-सूची

1 अब तक सीखा - वर्णमाला 01

2 कविता - छोटी सी हूँ (घड़ी) 28

3 कहानी - हाजिर जवाबी 31

4 पाठ - गोपाल की सच्चाई 38

5 कहानी - जैसे को तैसा 45

6 कविता - आदर 50


पढ़ेंगे
लिखेंगे
अ
आ
इ
ई
उ
ऊ
ऋ
ए
ऐ
ओ
औ
अं
अः

1 अब तक सीखा-वर्णमाला

स्वर





व्यंजन



क कलम 	ख खरगोश 	ग गाय 	घ घर 	ङ ङ
च चरखा 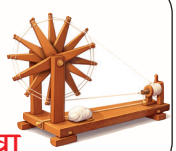	छ छड़ी 	ज जहाज़ 	झ झंडा 	ञ ञ
ट टब 	ठ ठेला 	ड डमरू 	ढ ढोल 	ण ण
त तबला 	थ थरमस 	द दरवाज़ा 	ध धन 	न नल 
प पपीता 	फ फल 	ब बस 	भ भालू 	म मटर 
य यान 	र रथ 	ल लड्डू 	व वट 	श शेर 

ष षट्कोण 	स सड़क 	ह हाथी 	क्ष क्षत्रिय 	त्र त्रिकोण 	ज्ञ ज्ञान 	श्र श्रम 

संयुक्ताक्षर

क् + ष = क्ष



कक्षा



शिक्षक



क्षत्रिय

त + र = त्र



छात्र



मित्र



सत्रह

ज + ञ = ज्ञ



ज्ञाता



यज्ञ



विशेषज्ञ

श + र = श्र



श्रमिक



आश्रम



अश्रु

संयुक्ताक्षर



क् + ख = क्ख

मक्खी



च् + छ = च्छ

मच्छर



ट् + ठ = ट्ठ

चिट्ठी



ब् + ज = ब्ज

सब्ज़ी



त् + थ = त्थ

पत्थर



ड् + ढ = ड्ढ

गड्ढा



प् + य = प्य

प्याला



स् + त = स्त

बिस्तर



व् + य = व्य

व्यापारी



स् + ता = स्ता

बस्ता



ष् + प = ष्प

पुष्प



ग् + व = ग्व

ग्वाला

संयुक्ताक्षर वाले शब्दों पर गोला लगाओ-

सख्त	मक्खन	अश्व	विशाल	माधवन
गुच्छा	पत्थर	शहर	चूहा	मक्खी

शब्द पूरा कीजिए

(1) वृक्ष



(2) क...



(3) पु...



(4) बि.....र



(5) प....



(6) .....ला



इन शब्दों का उचित उच्चारण कीजिए।

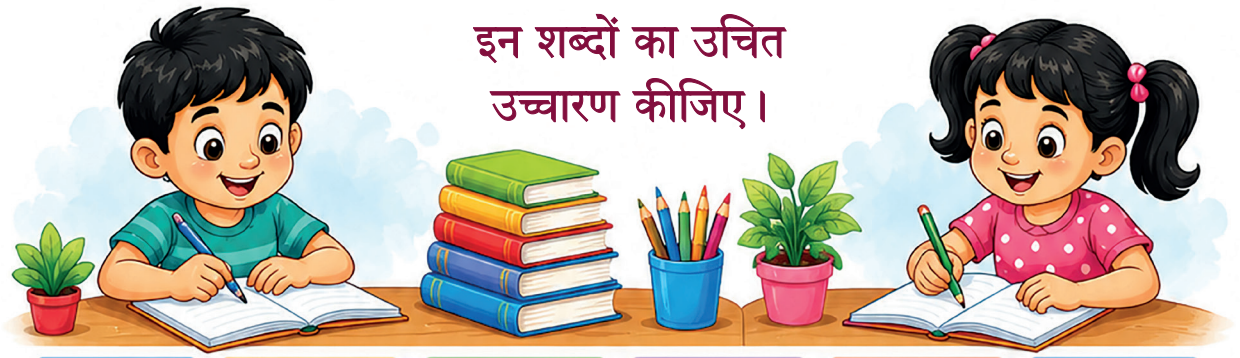

अच्छा	बच्चा	मक्खन	चम्मच	चश्मा	पत्ता
मच्छर	मक्खी	दिल्ली	गुब्बारा	प्यास	ग्वाला
मक्खन	लट्टू	चिट्ठी	उत्सव	प्याज	प्यार
चप्पल	ब्याह	गड्डी	हड्डी	महात्मा	फव्वारा
रसगुल्ला	मम्मी	शब्द	संयुक्त	अन्याय	हल्दी
जल्दी	व्यापारी	तस्वीर	व्यायाम	कुल्हाड़ी	कुम्हार
स्कूटर	ट्रैक्टर	कुत्ता	ज्यादा	बच्ची	कृष्ण



समझिए और लिखिए



- ध + क् + का = धक्का
- स + च् + चा = _____
- सि + क् + का = _____
- ब + च् + चा = _____
- प + क् + का = _____
- क + च् + चा = _____
- च + क् + का = _____
- अ + च् + छा = _____

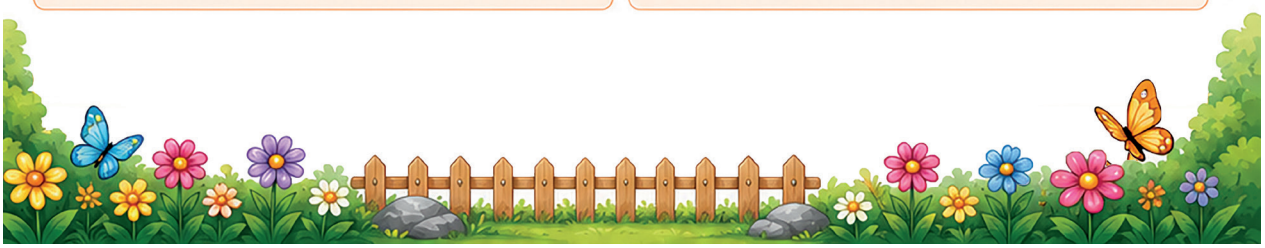



नए शब्द लिखिए



अ + ग + र = _____

श + ह + द = _____

न + म + क = _____

क + म + ल = _____

म + ट + र = _____

स + ड़ + क = _____

ब + त + ख = _____

स + र + ल = _____

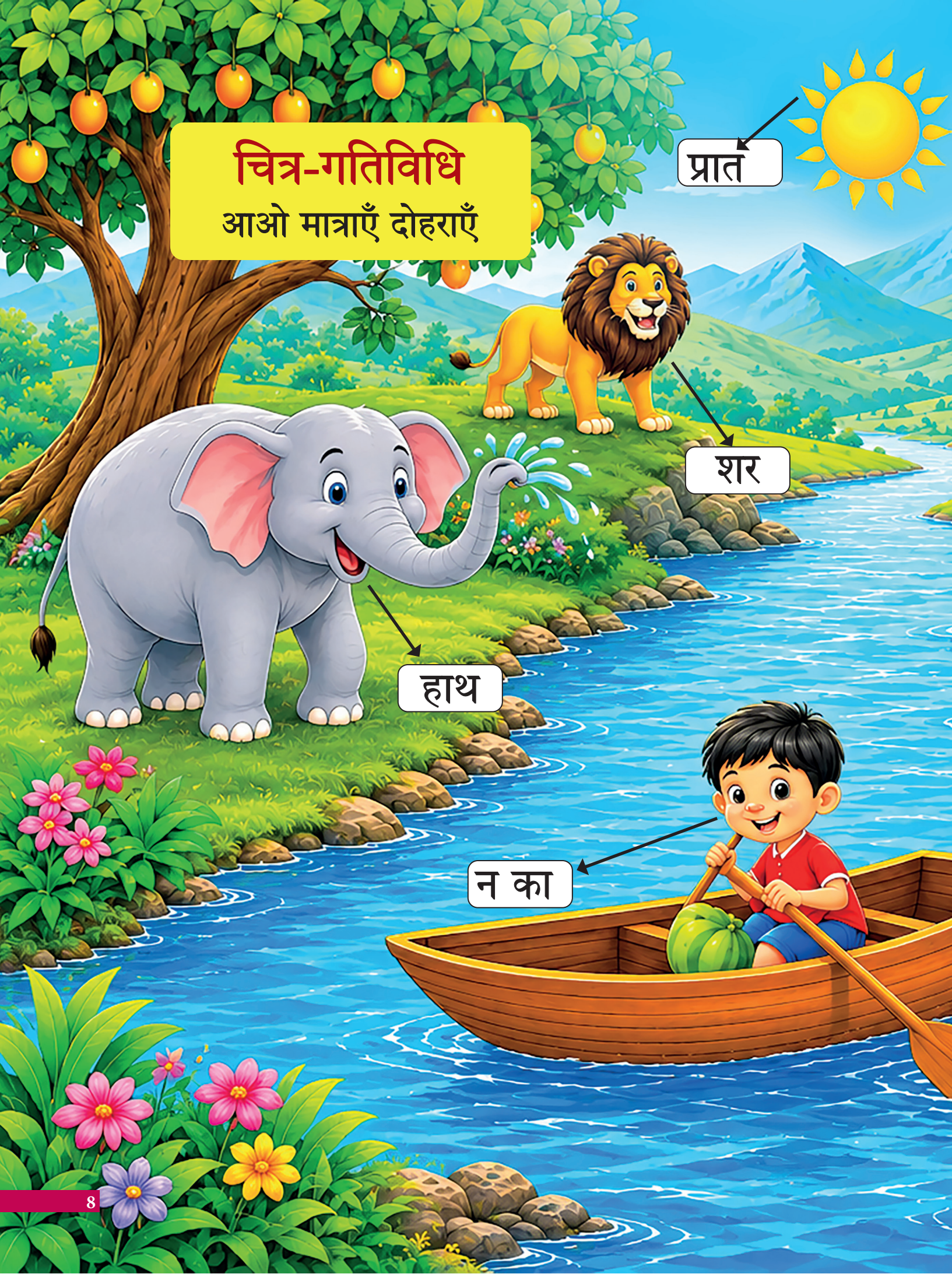
चित्र-गतिविधि
आओ मात्राएँ दोहराएँ
प्रात
शर
हाथ
न का


सरज
क यल
बदर
गह
हरण
क र
बल
गलाब





स्वर	मात्रा
अ	-
आ	ा
इ	ि
ई	ी
उ	ु
ऊ	ू
ऋ	ृ





स्वर	मात्रा
ए	◌े
ऐ	◌ै
ओ	◌ो
औ	◌ौ
अं	◌ं
अः	◌ः



दो अक्षर वाले शब्द

कप	रथ	सच	कह
अब	जग	चल	कल
तब	कब	नल	हल
टब	जब	नभ	वन
धन	खत	छत	तट
मन	जप	चल	वर
हम	दल	लट	सच
यज्ञ	फल	सब	वक
डर	पथ	हट	बस



अक्षरों को जोड़कर नए शब्द लिखिए



छ + ल = ... रं + ग = ...

ज + न = ... रा + त = ...

त + प = ... घ + र = ...

ड + र = ... न + ल = ...

न + स = ... का + न = ...

ग + म = ... र + थ = ...

गा + य = ... प + थ = ...

शि + वा = ... पि + ता = ...

ह + म = ... बा + घ = ...

गा + ना = ... रा + जा = ...

दे + श = ... ता + ज = ...



चित्र देखकर शब्द लिखिए













10







तीन अक्षर वाले शब्द

मगर	भवन	नगर	अटल
डगर	महक	कहर	अमन
उदय	उमर	ठहर	अक्षय
पलक	मटर	रतन	अक्षत
कमर	चमन	कलश	कलम
खबर	लहर	शहद	रबड़
चरण	नमक	सड़क	उछल
कनक	महल	अमर	चमक
चहल	कमल	असर	पकड़
चमन	हवन	अजय	समझ

चित्र देखकर शब्द लिखिए























तीन अक्षरों को जोड़कर नए शब्द लिखिए



कि + रा + या = _____

लि + ख + ना = _____

जि + ग + र = _____

वि + वा + ह = _____

सि + खा + ना = _____

नि + क + ट = _____

ति + ल + क = _____

कि + र + ण = _____

दि + ने + श = _____

ति + रं + गा = _____



चार अक्षर वाले शब्द

अदरक	बरतन	बचपन	सरगम
नटखट	झटपट	शबनम	शरबत
पनघट	कटहल	थरमस	अजगर
अलवर	अनवर	करवट	लटपट
हरपल	अवसर	नवरस	हरदम
अकबर	लगभग	अटकल	उपवन
समतल	बरबस	लथपथ	हटकर
छमछम	जबरन	बरगद	बचपन
पलटन	अनबन	खटमल	चटपट

चित्र पहचान कर चार अक्षर वाले शब्द लिखिए













चार अक्षरों को जोड़कर नए शब्द लिखिए

अ + व + स + र = अवसर

ह + ल + च + ल = _____

न + ट + ख + ट = _____

जा + न + व + र = _____

अ + ख + बा + र = _____

आ + स + मा + न = _____

स + र + क + स = _____

ट + मा + ट + र = _____

का + र + खा + ना = _____

वर्णों का जोड़कर नए शब्द लिखिए

ग	+	ज						=		
ध	+	न						=		
न	+	ह	+	र				=		
अ	+	क्ष	+	र				=		
प	+	व	+	न				=		
स	+	ड़	+	क				=		
म	+	ग	+	र				=		
उ	+	प	+	व	+	न		=		
ब	+	र	+	ग	+	द		=		
न	+	ट	+	ख	+	ट		=		
झ	+	ट	+	प	+	ट		=		
प	+	न	+	घ	+	ट		=		
अ	+	ज	+	ग	+	र		=		
श	+	र	+	ब	+	त		=		
ख	+	ट	+	म	+	ल		=		

'र' का प्रयोग

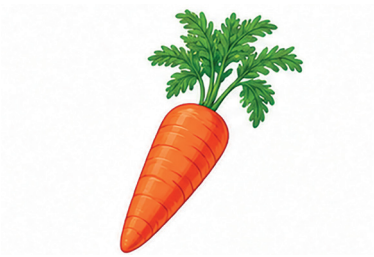

गा + ज + र

गाजर

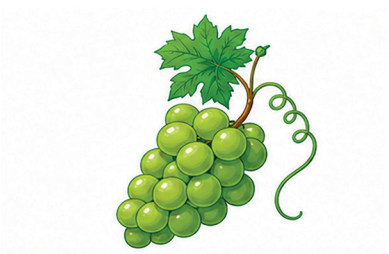

अं + गू + र

अंगूर



ट + मा + ट + र

टमाटर



स + र् + प

सर्प



सू + र् + य

सूर्य



प + र् + व + त

पर्वत

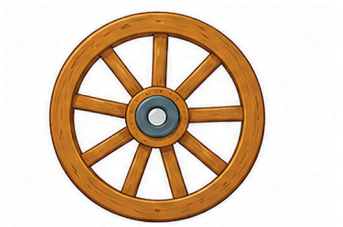

च + क् + र

चक्र



चं + द् + र् + मा

चंद्रमा



पू + र् + णा + म

प्रणाम



ट् + र + क

ट्रक



ड् + र् + म

ड्रम



ट् + रा + ली

ट्रॉली

'र' का सही रूप लगाकर शब्द सही कीजिए



पवत



वषा

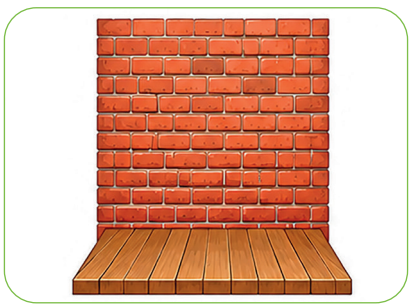

फश



पार्क



माग



काय



धम



कक



बतन

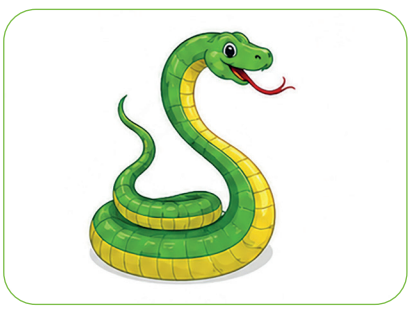

सप



दपण

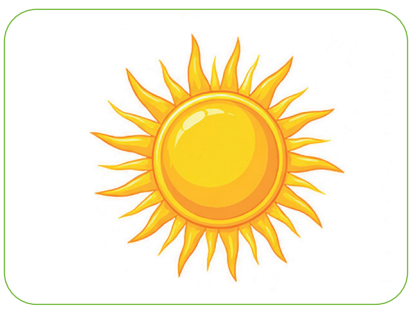

सूय



वचन

परिभाषा: -

1 जिस शब्द से व्यक्ति या वस्तु संख्या में एक है या अनेक का बोध होता है उसे वचन कहते हैं।

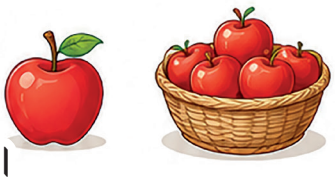

2 वचन के कितने भेद हैं ?

वचन के दो भेद हैं एकवचन, बहुवचन



एकवचन:-

1 जिस शब्द से व्यक्ति या वस्तु संख्या में एक है उसका बोध होता है उसे एकवचन कहते है।



उदा: - घड़ी,किताब,मेज

2 बहुवचन : - जिस शब्द से व्यक्ति या वस्तु संख्या में एक से अधिक होने का बोध हो उसे बहुवचन कहते है।

उदा:-,किताबें,मेजें





मिलान करो-



- पत्ता



- गमला



- थाली



- जूता

- थालियाँ



- जूते



- पत्ते



- गमले





चित्र देख कर सही ✓ गलत × का चिन्ह लगाओ-

एक अनेक



✓ ×



☐ ☐



☐ ☐



☐ ☐

वचन बदलिए-

बकरियाँ जूते तितलियाँ केले



जूता → ☐ → 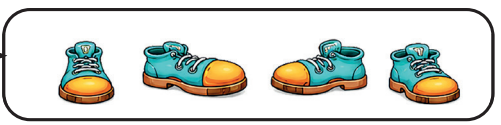

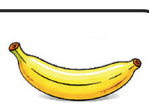

केला → ☐ → 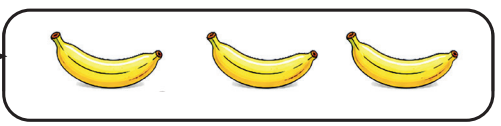

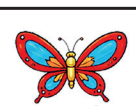

तितली → ☐ → 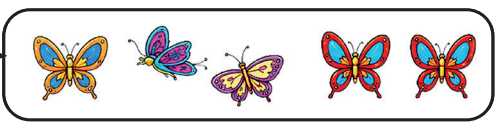

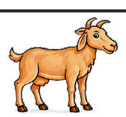

बकरी → ☐ → 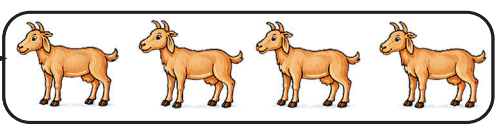

वचन पहचानिए



नीचे दिए गए शब्दों में से एकवचन और बहुवचन शब्द चुनकर उपयुक्त स्थानों में लिखिए।

गुलाब, चाबी, गन्ना, पौधे, कौआ, टाँग, अँगूठी,
थालियाँ, रुपए, पंखे, पुस्तक, टोपी, भैंसे, बातें,
कथाएँ, खिलौने, मेज़, कुरसी, संतरे, घड़ी

एकवचन	बहुवचन

2 कविता – छोटी सी हूँ (घड़ी)



घड़ी एक उपकरण है जो हमें समय के मूल्य का एहसास कराती है और समय पर कार्य पूरा करने में हमारी मदद करती है।

छोटी सी हूँ फिर भी,
बड़े काम की मानी जाती।
सदा समय की पाबंदी में,
रहना सबको हूँ सिखलाती।
कभी जेब में पड़ी ठुमकती,
कभी कलाई पर बँध जाती।
कभी मेज़ पर बैठ ठाठ से,
टिक-टिक राग सुनाती हूँ।



शब्दार्थ

1. लघु - छोटा
2. सदा - हमेशा
3. टिक-टिक - घड़ी की आवाज़
4. पेकेट - जेब
5. काम - कार्य
6. कलाई - हाथ

प्रश्नोत्तर

1. प्रस्तुत कविता में किस वस्तु के बारे में बताया गया है ?
2. घड़ी कहाँ बाँधी जाती है?
3. घड़ी को किन स्थानों पर रख सकते है?
4. घड़ी किस प्रकार आवाज़ करती है ?
5. घड़ी का महत्व क्या है?

खाली जगह भरिए

1. घड़ी _____की वस्तु है।
2. समय की पाबंदी में रहना _____हमें सिखलाती है।
3. घड़ी _____पर बाँधी जाती है।
4. घड़ी _____राग सुनाती है।
5. समय का _____घड़ी हमें सिखाती है।

कविता को ध्यान से पढ़िए और चित्रों को देखकर निम्नलिखित गतिविधियाँ कीजिए



छोटी सी हूँ लेकिन
फिर भी, बड़े काम
की मानी जाती।



सदा समय की पाबंदी
में, रहना सबको हूँ
सिखलाती।



कभी मेज पर बैठ
ठाठ से, टिक-टिक
राग सुनाती है।



कभी जेब में पड़ी
दुमकती, कभी कलाई
पर बँध जाती।

1. दिए गए वाक्यों को क्रम से लगाइए









(क) सदा समय की पाबंदी में, रहना सबको हूँ सिखलाती।

(ख) छोटी सी हूँ लेकिन फिर भी, बड़े काम की मानी जाती।

(ग) कभी जेब में पड़ी टुमकती, कभी कलाई पर बँध जाती।

(घ) कभी मेज पर बैठ ठाठ से, टिक-टिक राग सुनाती है।

2. तुम घड़ी का उपयोग किन-किन कामों में करते हो लिखिए -

_____

_____

3 कहानी – हाजिर जवाबी



मुरली परिश्रमी और बुध्दिमान होने के साथ-साथ हाज़िर जवाब भी था। उसे रंगों से बहुत प्यार था। इसलिए उसने रँगाई की एक छोटी-सी दुकान खोल ली थी। मुरली ने गाँव वालों के कपड़े रंगना शुरु कर दिया था परिश्रमी था,इसलिए काम मन लगाकर करता था। उसके अच्छे काम को देखकर उसकी दुकान पर रँगाई के लिए बहुत से कपड़े आने लगे। धीरे-धीरे उसके काम की चर्चा दूर-दर तक फैल गई। लोग उसके काम की प्रशंसा करने लगे।



गाँव में एक सेठजी भी रहते थे। उन्हें अपने अलावा किसी दूसरे की प्रशंसा सुनना अच्छा नहीं लगता था। वे मन-ही-मन मुरली से ईर्ष्या करने लगे। एक बार सेठानी को कोई कपड़ा रँगवाना था। सेठजी कपड़ा लेकर मुरली की दुकान पर पहुँचे। उनका इरादा मुरली को परेशान करने का था। दुकान में घुसते ही सेठजी बुलन्द आवाज़ में बोले,मुरली, जरा यह कपड़ा अच्छी तरह से रंग देना।

मैं तुम्हारा हुनर देखना चाहता हूँ। तुम्हारा बहुत प्रशंसा सुनी है, इसलिए आज खुद ही आ गया हूँ।

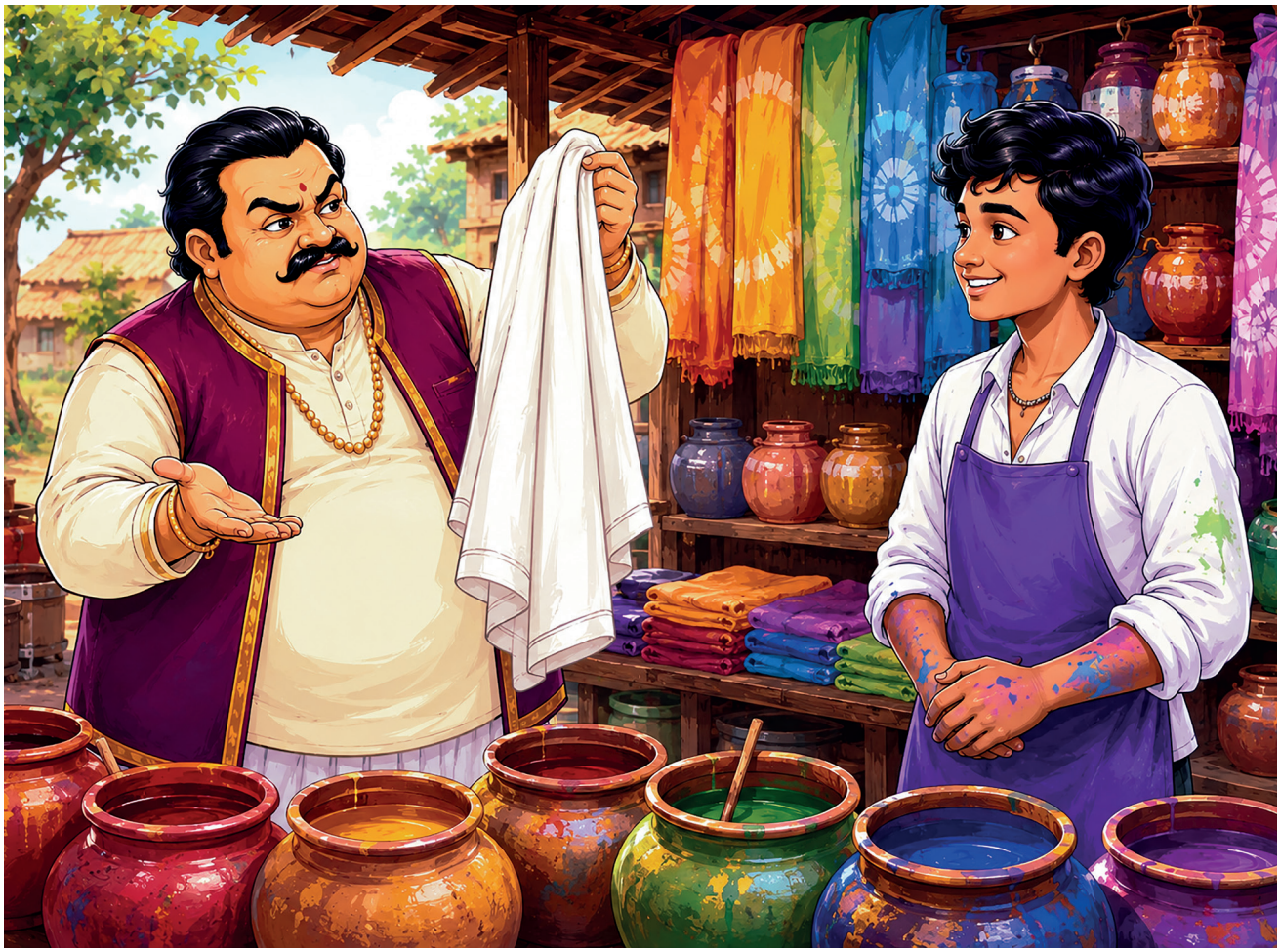

मुरली ने पूछा, सेठजी, इस कपड़े को आप किस रंग में रँगवाना चाहते हैं ? सेठजी को अवसर मिल गया। वे बोले, रंग ! देखो मुरली, वैसे रंग के बारे में मेरी कोई विशेष पसंद तो है नहीं, लेकिन मुझे हरा,पीला,सफेद, लाल, नारंगी, नीला, आसमानी,काला और बैंगनी रंग अच्छे नहीं लगते। समझे या नहीं? मुरली बोला, समझ गया सेठजी, अच्छी तरह समझ गया मैं ज़रुर आपकी पसंद की रँगाई कर दूँगा।

मुरली सेठजी का इरादा भाँप गया था। उसने सेठजी से कपड़ा ले लिया और अलमारी में बंद करके ताला लगा दिया।

सेठजी ने खुश होकर पूछा, अच्छा, तो मैं इसे किस दिन लेने आऊँ ?

अब मुरली को अवसर मिल गया। वह बोला, सेठजी आप सोमवार से शनिवार और रविवार को छोड़कर किसी भी दिन आ जाना।



मुरली का जवाब सुनकर सेठजी चकरा गए। वे समझ गए कि चाल उलटी पड़ गई है। उन्होंने मुरली से कहा, भई,मुझे अपना कपड़ा नहीं रँगवाना। लाओ,मेरा कपड़ा मुझे वापस दे दो। मुरली ने मुस्कुराते हुए अलमारी खोली और कपड़ा निकालकर सेठजी को दे दिया। सेठजी अपना कपड़ा लेकर चुपचाप चले गए। फिर वे दोबारा मुरली की दुकान पर आने का साहस नहीं कर पाए।



सीख: - ईर्ष्या एक ऐसा अवगुण है जो व्यक्ति को कभी भी संतुष्ट और प्रसन्न नहीं रहने देगा इसलिए दूसरों को हम जितना प्रसन्न करेंगे उतने ही प्रसन्न हम होंगे।

शब्दार्थ

1. परिश्रमी - मेहनती
2. प्रशंसा - तारीफ़
3. ईर्ष्या - जलन
4. अवसर - मौका
5. हुनर - कौशल / कला

विलोम शब्द

1. पसंद × नापसंद
2. बहुत × कम
3. प्रशंसा × निंदा
4. संतुष्ट × असंतुष्ट
5. प्रसन्न × अप्रसन्न / दुखी

खाली जगह भरिए

1. मुरली को _____ से प्यार था।
2. गाँव में एक _____रहते थे।
3. सेठजी _____लेकर दुकान पहुँचे।
4. सेठ _____से ईर्ष्या करते थे।
5. मुरली ने सेठ को _____सिखाया।

प्रश्नोत्तर

1. मुरली कैसा आदमी था?
2. मुरली क्या काम करता था?
3. सेठजी ने मुरली से क्या कहा?
4. मुरली बुध्दिमान था या मूर्ख?
5. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

योग्यता विस्तार

शिक्षक बच्चों से कहानी के पात्रों को समझाते हुए उसे क्रमानुसार बताएँगे।

गतिविधि



चित्र बनाइए और वाक्य लिखिए-

उस दिन जब गोपाल ने सेठ जी का कपड़ा अच्छे रंग से रंगा।

.....

.....

.....



सही उत्तर पर निशान (✓) लगाइए

(क) मुरली ने सेठ जी को कौन-सा रंग दिया?

(i) कोई नहीं ☐ (ii) हरा ☐ (iii) पीला ☐

ख) सेठ जी मुरली से क्या करते थे।

(i) प्यार ☐ (ii) ईर्ष्या ☐ (iii) भाईचारा ☐

(ग) सेठ जी मुरली की दुकान पर क्यों गए?

(i) कपड़ा रंगवाने ☐ (ii) परेशान करने ☐ (iii) हुनर देखने ☐

रिक्त स्थान भरिए-

(अ) मुरली ने गाँव वालों के कपड़े _____ शुरु कर दिया था।

(आ) मैं तुम्हारा _____ देखना चाहता हूँ।

(इ) मुरली सेठजी का इरादा _____ गया था।

(ई) अब मुरली को _____ मिल गया।

(उ) मुरली का जवाब _____ सेठजी चकरा गए।

(ऊ) फिर वे दोबारा मुरली की दुकान पर आने का _____ नहीं कर पाए।

4 पाठ - गोपाल की सच्चाई

बच्चों से बातचीत कीजिए - तुम्हारे अच्छे काम के लिए तुम्हारी प्रशंसा की जाती है तो तुम खुश होते हो किंतु काम कोई और करे और प्रशंसा तुम्हारी की जाए तो तुम्हें कैसा लगेगा? क्या तुम खुशी महसूस करोगे आओ,यह घटना पढ़कर जानें।

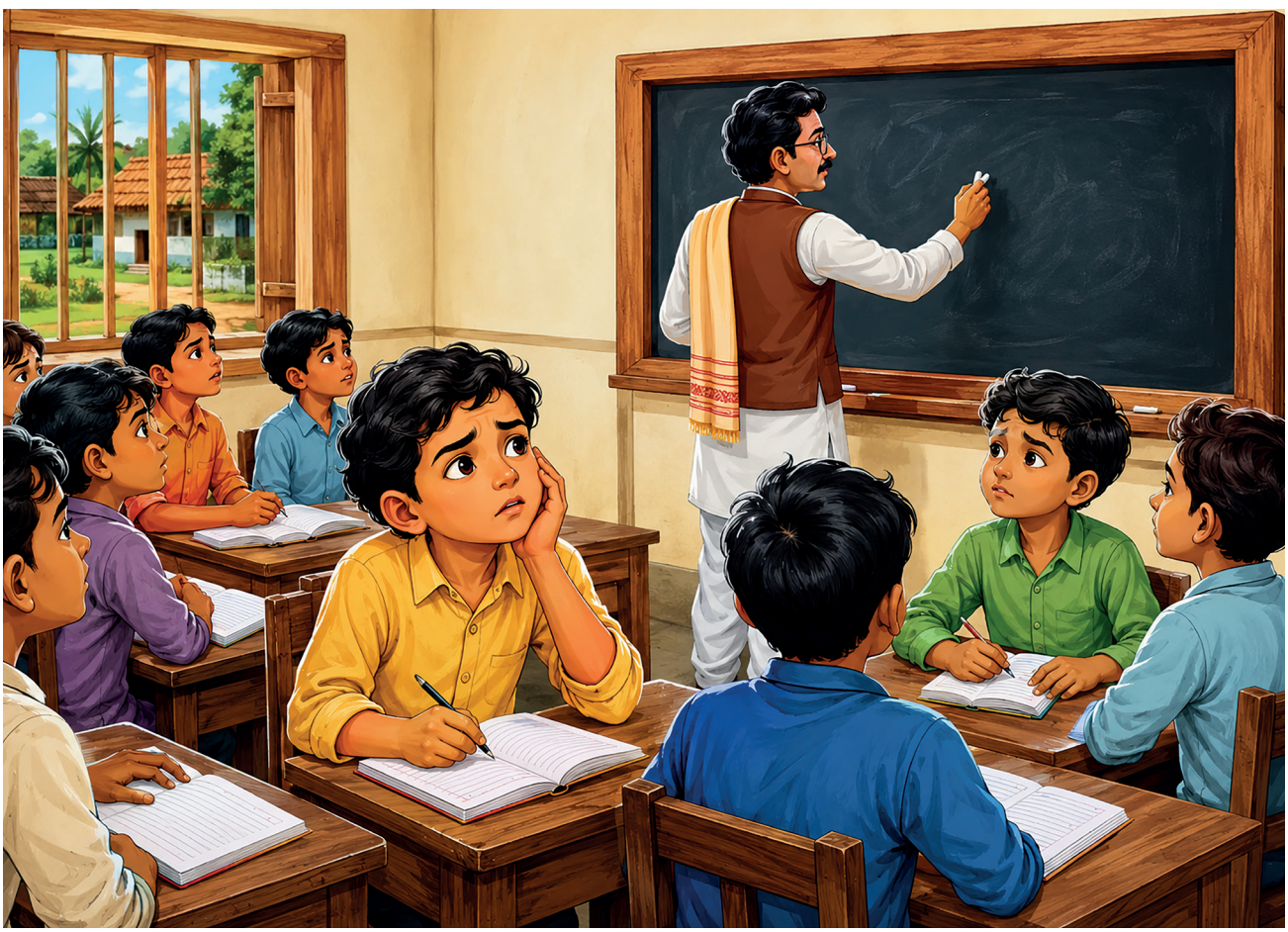

बालक गोपाल विद्यालय में पढ़ता था। एक दिन कक्षा में अध्यापक ने बच्चों को एक गणित का एक प्रश्न हल करने के लिए दिया। बच्चे वह प्रश्न हल न कर सके। छुट्टी की घंटी बज गई। अध्यापक ने बच्चों को वह प्रश्न घर

से हल कर लाने के लिए कह दिया। सब बच्चे घर चले गए।

अगले दिन कक्षा में अध्यापक आए। उन्होंने बच्चों से अपनी-अपनी कॉपी दिखाने को कहा। कुछ बच्चे तो गणित का वह प्रश्न हल करके ही नहीं लाए थे और जो करके लाए थे, उनका उत्तर सही नहीं था। अंत में गोपाल की बारी आई। अध्यापक ने मोहन की कॉपी लेकर उत्तर जाँचा तो वह बिल्कुल ठीक था। अध्यापक बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उसकी पीठ थपथपाई और उसकी बहुत प्रशंसा की।



अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल जरा भी खुश नहीं हुआ बल्कि उसके चेहरे पर उदासी छा गई। वह सिर नीचे किए खड़ा रहा। ज्यों-ज्यों अध्यापक

उसकी प्रशंसा करते जाते,त्यों-त्यों उसकी उदासी बढ़ती जाती। अंत में वह फूट-फूटकर रो पड़ा।



अध्यापक को बड़ा आश्चर्य हुआ। उन्होंने गोपाल के कंधे पर हाथ रखते हुए कहा,"बेटा,तुमने तो प्रश्न को सही हल किया है। तुम क्यों रो रहे हो?" गोपाल ने रोते हुए कहा, "गुरुजी,मैं प्रशंसा के लायक नहीं हूँ। यह प्रश्न मैंने स्वयं हल नहीं किया है। इसे मैंने अपने एक मित्र से हल करवाया था। अपनी प्रशंसा सुनकर मुझे बड़ा दुःख हो रहा है।"



गोपाल की बात सुनकर अध्यापक का हृदय भर आया। वे मोहन की सच्चाई से बहुत प्रभावित हुए। उसकी प्रशंसा करते हुए बोले,“बेटा,तुम एक सच्चे बालक हो। तुम अवश्य अपने देश का नाम ऊँचा करोगे।”

अध्यापक की कही हुई बात सच निकली।यही बालक आगे चलकर गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से भारत का महान नेता बना।गोपाल ने अपना पूरा जीवन देश की उन्नति के लिए अर्पित कर दिया। महात्मा गाँधी उन्हें अपना गुरु मानते थे और उनका बहुत आदर करते थे।



शब्दार्थ

1. पीठ थपथपाना - शाबाशी देना
2. फूट फूटकर रोना – जोर जोर से रोना
3. उन्नति – प्रगति
4. अवश्य - जरूर
5. हृदय भर आना - भावुक हो जाना
6. अर्पित – दे देना
7. अंत – आखिर

विलोम शब्द

1. उन्नती × अवनति
2. आदर × अनादर
3. प्रश्न × उत्तर
4. भलाई × बुराई
5. आरंभ × अंत
6. सच × झूठ

सही उत्तर चुनकर लिखो

1. अध्यापक ने बच्चों को _____ का प्रश्न हल करने को किया।(विज्ञान/गणित)
2. अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल _____हो गया।(उदास/खुश)
3. गोपाल ने प्रश्न _____से हल करवाया था।(पिता/मित्र)
4. गोपाल ने हमेशा ____का साथ दिया।(सच/झूठ)
5. अध्यापक ने _____की पीठ थपथपाई। (गोपाल/मोहन)

प्रश्नोत्तर

1. अध्यापक ने बच्चों को किस विषय का प्रश्न दिया ?
2. गोपाल क्यों रोने लगा?
3. अध्यापक ने गोपाल की प्रशंसा क्यों की?
4. गोपाल के भविष्य के बारे में अध्यापक ने क्या कहा?
5. गोपाल का पूरा नाम क्या था?

योग्यता विस्तार

भारत की आजादी के लिए लड़ने वाले व्यक्तियों का चार्ट बनाएँ।

गतिविधि

चित्र देखकर लिखिए क्या गोपाल ने सही किया?और क्यूँ?

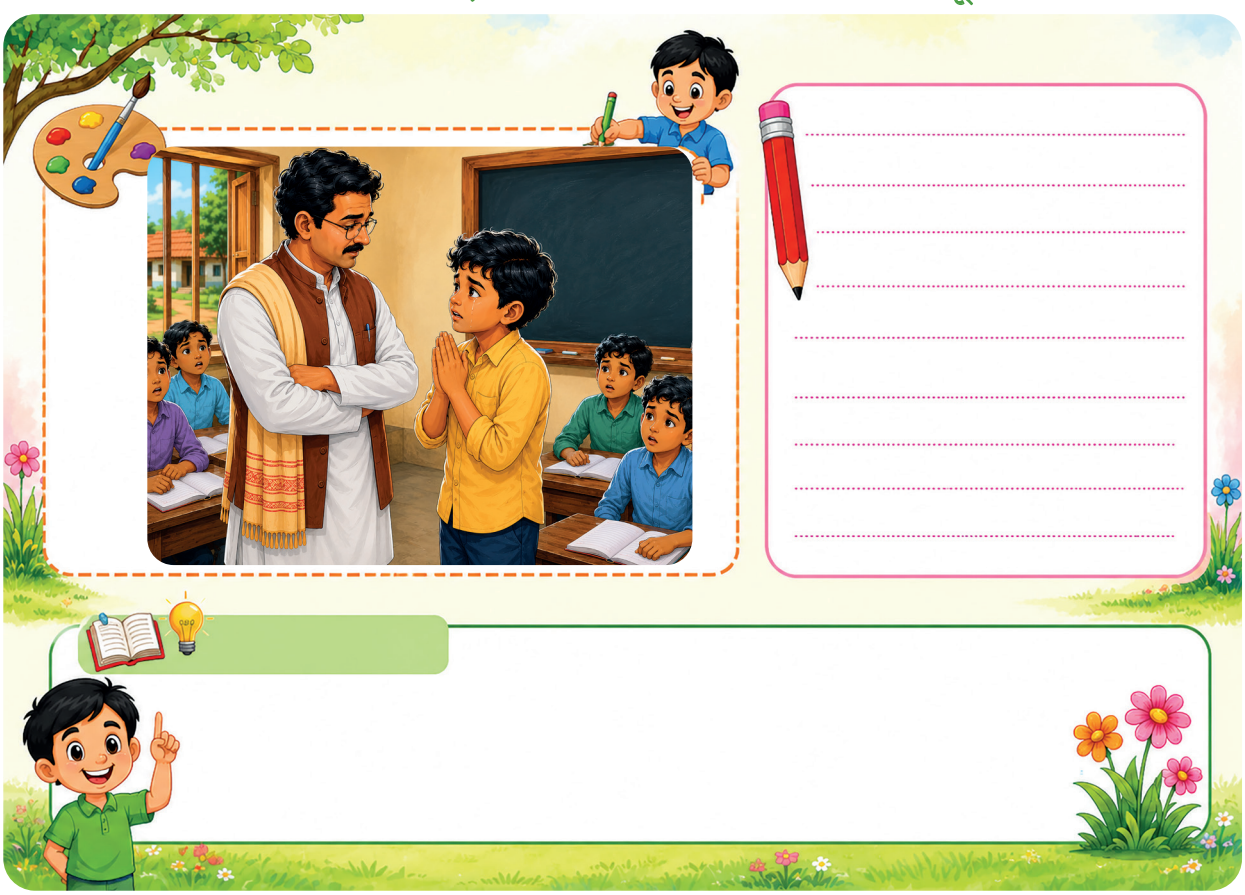



दिए गए वर्ग पहेली से शब्द ढूँढिए और लिखिए

ग	ओ	प	ा	ल	प्रा	श	शं	सा
अ	ध्या	प	क	क	क्षा	प	व	न
उ	त्तर	कॉ	पी	स	ही	ग	णि	त
मि	त्र	स	त्य	ई	मा	न	दा	री
उ	दा	सी	रो	ना	स	च्चा	ई	ग
प्र	शं	सा	न	हीं	दु	ख	स	च
गु	रु	जी	दि	ल	प्र	शं	स	न
स	च्चा	ग	ब	ा	ल	क	दे	श
गो	पा	ल	कृ	ष्ण	गो	ख	ले	श
गां	धी	गु	रु	आ	दा	र	से	वा

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____
7. _____
8. _____
9. _____
10. _____
11. _____
12. _____
13. _____
14. _____
15. _____
16. _____
17. _____
18. _____

गोपाल

अध्यापक

पवन

गणित

उत्तर

कॉपी

प्रशंसा

मित्र

सच्चाई

उदासी

रोना

सच्चा

देश

गोपाल कृष्ण गोखले

गांधी

गुरु

आदर

सेवा

5 कहानी - जैसे को तैसा

हिरण भाई। हमारा जंगल कितना अच्छा है। बस, यह सियार अपनी चालों से बाज नहीं आता।



लो,उधर देखो। वह रहा सियार। पता नहीं,वहाँ क्या कर रहा है। आओ देखें।



मैं इस गड्ढे पर घास बिछा देता हूँ।शाम को खरगोश और हिरण इधर से लौटेंगे और जाएँगे सीधे गड्ढे में। बड़ा मज़ा आएगा।



सियार भाई, जल्दी चलो। तुम्हारे घर में आग लगी है। तुम्हारे बीबी बच्चे जल जाएँगे। जल्दी चलो।क्या कहा? मेरे घर में आग लगी है। मैं अभी जाता हूँ। हाय,हाय! मैं मर गया। मेरी कमर टूट गई।



क्यों सियार भाई ! मज़ा आया? तुम्हें पता नहीं कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है, वह खुद उसी में गिरता है।

मुझे यहाँ से निकालो। मुझसे गलती हो गई। मेरे घर में आग लगी है। मेरे बीवी-बच्चे मर जाएँगे।

हा-हा-हा! अभी तुम यहीं आराम करो। वैसे तुम्हें बतला दे कि तुम्हारे बीवी-बच्चे सही सलामत है। तुम्हारे घर में कोई आग-वाग नहीं लगी है।

सीख: - दूसरों को धोखा देने का परिणाम हमेशा बुरा होता है।

खाली जगह भरो

1. ___चाल बाज था।
2. सियार ने गड्ढे पर ___बिछा दिया।
3. घर में ___लगी थी।
4. ___और ___सियार को सबक सिखाना चाहते थे।

प्रश्नोत्तर

1. जंगल में कौन-कौन से जानवर थे ?
2. सियार कैसा जानवर था ?
3. हिरण और खरगोश ने सियार से क्या कहा?
4. सियार को सबक किसने सिखाया?
5. इस कहानी की सीख बताइए।

वाक्यों में प्रयोग कीजिए

1. गलती
2. जल्दी
3. अच्छा
4. घर
5. मज़ा

योग्यता विस्तार:-

बच्चों को कहानी से संबंधित अभिनय कराए।

गतिविधि

हिरण और खरगोश को सियार तक पहुंचाए



6 कविता – आदर

बडों का आदर करना हमारा कर्तव्य है। जो परिवार या समाज बड़ों का सम्मान करता है वह हमेशा विकसित और सुखी रहता है।

बड़ों का सदा ही आदर करना,
उनका दिल कभी न दुखाना
करोगे इनकी तुम जो सेवा,
तभी मिलेगा तुमको मेवा
सुबह सबेरे करो नमन,
सभी बड़ों के छुओ चरण
लेकर उनका आशीर्वाद,
शुरु करो तुम अपने काज।।

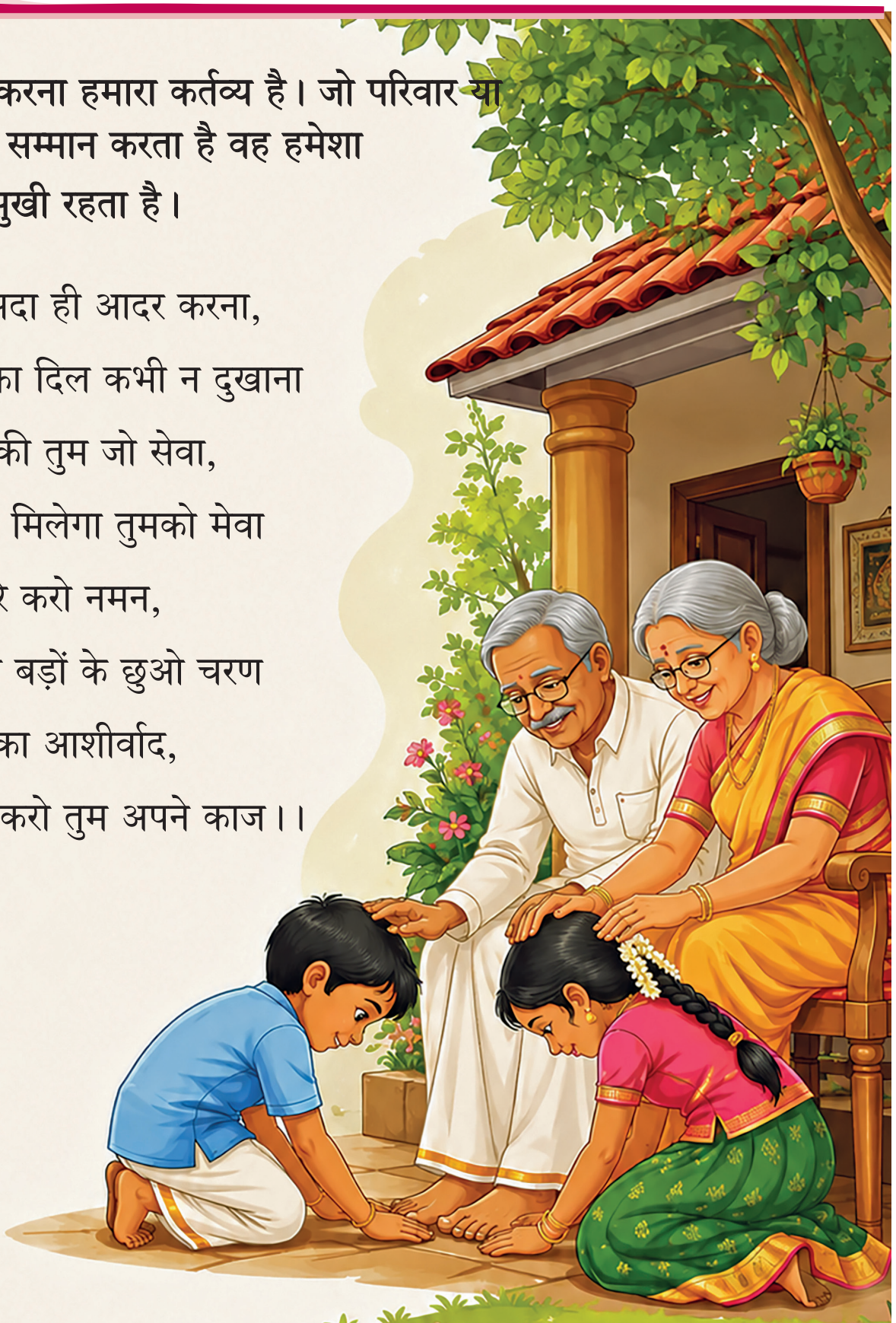

अर्थ:

1. बड़ा - विशाल
2. आदर – सम्मान
3. सदा – हमेशा
4. नमन – प्रणाम
5. काज – काम

प्रश्नोत्तर

1. बच्चों को सुबह उठते ही क्या करना चाहिए?
2. हमें बड़ों का सदा क्या करना चाहिए?
3. हर काम की शुरुआत किनके आशीर्वाद से होती है?
4. बच्चों का माता-पिता के प्रति क्या कर्तव्य है?
5. इस कविता में किस बात की विशेषता है?

खाली जगह भरिए

1. हमें _____का सदा आदर क रना चाहिए।
2. दूसरों का _____ नहीं दुखाना चाहिए।
3. रोज सुबह _____के चरण छूने चाहिए।
4. बड़ें हमें _____देते हैं।
5. सेवा करने पर _____मिलता है।



कविता में कौन-कौन से फूलों के नाम आये हैं ?

_____

_____

फूलों से क्या सजा हुआ है ?

_____

_____

तितली कहाँ मंडराती है ?

_____

_____

गुलाब, चमेली, और सूरजमुखी,
फूलों से सजता है, सारा बगीचा।
रंगों से भरे हैं, ये छोटे सितारे,
हर कोई देखे, तो मन हर्षाए।
तितली भी आती, उन पर मंडराती,
फूलों के संग सब, मिलकर मुस्काते।





शुध्द कीजिए

1. हेरान ---------- ----------
2. तुम्हार ---------- ----------
3. इसलीए ---------- ----------
4. जल्दी ---------- ----------
5. प्रतिदीन ---------- ----------
6. कयोंकी ---------- ----------
7. परीवार ---------- ----------
8. खिलाने ---------- ----------
9. प्यरा ---------- ----------
10. चाहीए ---------- ----------



Standard 3 - Hindi Reader - Term - II

Textbook Development Team

Subject Expert

Dr. T. Swapna
Associate Professor,
Department of Hindi & Head,
Bharathi women's college, Broadway,
Chennai -600108.

Reviewer

Dr. Manoj Kumar singh
Assistant Professor & Head,
Department of Hindi,
D.G. Vaishnav College,
Arumbakkam, Chennai -600 106.

Co-ordinator

Dr.T.Jayagandhi
Senior Lecturer,
SCERT, Chennai - 600 006.

Authors

Saimeera Joshi
Guest Faculty (Hindi),
Women's Christian College,
College Road, Chennai -600 006.

M.Gabriel Govindaraju
Lecturer in Hindi (Retd.),
Navalar Nedunchezhian Govt. Hr.Sec.School,
Lawspet, Puducherry -605 008.

O.V.S. Mallika
P.G Hindi Teacher (Retd.),
Kesari Higher Secondary School,
Mylapore, Chennai -600 004.

Latha S Misra
Hindi Pandit,
Shree K.S.S.D. Girls HSS,
Sowcarpet, Chennai-600 079.

R. Saritha
Hindi Pandit,
S.M.B. Jain Higher Secondary School,
T. Nagar, Chennai-600 017.

Art and Design Team

M. Amalraj,
Layout Co-ordinator,
B.T. Asst., SCERT,
Chennai -600 006.

Makenthirap Pratheep, Designer

Wrapper Design

Kathir Arumugam

This book has been printed on 80 GSM
Elegant Maplitho paper

Printed by offset at: